डेरी विकास विभाग,– उत्तराखण्ड
वित्तीय वर्ष 2018–19 का आउटकम बजट

विभाग के अन्तर्गत प्रस्तावित एस0डी0जी0– एस0डी0जी0 1 एवं एस0डी0जी0 2

(धनराशि लाख ₹ में)

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले		एस0डी0जी0 Goals/Indicators	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2018–19	1–4–2017 की स्थिति (बेस लाइन)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूँजीगत					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	निदेशन एवं प्रशासन	कार्मिकों के वेतन, भत्ते तथा कार्यालय संचालन हेतु सहायता	1025.51	–	विभागीय अधिकारियों/कार्मिकों को वेतन भत्तों का भुगतान एवं कार्यालय संचालन/विभाग द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं के कियान्वयन हेतु सहायता।	206 विभागीय अधिकारियों व कार्मिकों के वेतन भत्तों का भुगतान किया जायेगा।	139 विभागीय अधिकारियों व कार्मिक	विभागीय अधिकारियों व कार्मिकों की कार्य क्षमता में वृद्धि होगी।	01 वर्ष
राज्य योजना (चालू योजना)									
1.	डेरी विकास योजना	दुग्ध संघों में अवस्थापना विकास तथा अन्य आवर्ती व्यय में सहायता प्रदान करना।	340.00	–	**Goal-1** 1– दुग्ध प्रसंसकरण व अवशीतन क्षमता 2–कार्यरत दुग्ध समितियों की संख्या	1. 1950 समिति सचिवो को प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जायेगा। 2. दुग्ध उपार्जन पर हो रहे यातायात व्यय से 18500 सदस्य लाभान्वित होगें। 3. 500 दुग्ध उत्पादकों का प्रशिक्षण। 4. सेन्ट्रल डेरी लैब का सुदृढ़ीकरण संख्या–01।	1. दुग्ध समितियों के 1548 सचिव लाभान्वित। 2. 17100 सदस्य लाभान्वित। 3. 01 लैब के लिए उपकरण व्यवस्था।	1. दुग्ध उपार्जन में वृद्धि। 2. पर्वतीय क्षेत्रों में सुदूरवर्ती ग्रामों में दुग्ध समितियां स्थापित कर रोजगार सृजित होगा।	03 वर्ष
					Goal-2 1– नगरीय क्षेत्रों में तरल दूध की आपूर्ति	1. 10 मूवेबिंल मिल्क वेडिंग मशीन स्थापित कर 10 हजार लीटर प्रतिदिन दूध विक्रय किया जायेगा।	1. 150746 लीटर प्रतिदिन।	उपरोक्त	
2.	महिला डेरी विकास योजना	महिलाओं का आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान करते हुए विकास की मुख्य धारा में जोड़ना।	513.00	–	**Goal-1** 1– महिला दुग्ध समितियों की संख्या 2– महिला सदस्यों की संख्या	1. ग्राम स्तर पर 26 महिला दुग्ध समितियों का गठन किया जायेगा। 2. 520 महिला दुग्ध उत्पादकों को समितियों से जोड़ा जायेगा। 3. 26 महिलाओं को ग्राम स्तर पर प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध होगा।	1. महिला समिति संख्या 1185 2. महिला सदस्य संख्या 42213	1. महिलाओं को आय के साधन सुलभ होने से उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। 2.महिलाओं में नेतृत्व, आत्मविश्वास एवं आत्म निर्णय की भावना जागृत होगी।	03 वर्ष
					Goal-2 1. महिला दुग्ध समितियों के माध्यम से दुग्ध उपार्जन	दुग्ध समिति गठन कर 2500 लीटर प्रतिदन दुग्ध उपार्जन में वृद्धि की जायेगी।	39,695 लीटर प्रतिदिन उपार्जन।	उपरोक्त	
3.	सहकारी डेरी प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना	राज्य के परिप्रेक्ष्य में दुग्ध उत्पादकों को पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन से सम्बन्धित जानकारियां उपलब्ध कराना।	–	40.00	**Goal-1** प्रशिक्षण प्राप्त लाभार्थियों की संख्या	1. जनपद नैनीताल में 01 सहकारी प्रशिक्षण संस्थान तथा छात्रावास निर्माण किया जायेगा।	कुल प्रशिक्षित लाभार्थी संख्या 50	1. मुख्यतः पर्वतीय क्षेत्रों के दुग्ध उत्पादक राज्य की जलवायु के अनुसार पशुपालन एव दुग्ध उत्पादन कर सकेगें। 2. दुग्ध उत्पादकों को हो रही व्यवहारिक कठिनाईयों का समाधान हो सकेगा।	05 वर्ष

4.	दुग्धशाला का सुदृढ़ीकरण	वर्तमान परिप्रेक्ष्य में दुग्धशालाओं का सुदृढ़ीकरण, आधुनिकीकरण एवं क्षमता विस्तार करना।	–	50.00	**Goal-1** 1–दुग्ध प्रसंसकरण व अवशीतन क्षमता	जनपद चम्पावत दुग्धशाला को 10 हजार लीटर प्रतिदिन प्रसंस्करण क्षमता हेतु सुदृढ़ किया जायेगा ।	2.55 लाख ली0/दिन एवं 1.27 लाख ली0/दिन	दुग्ध संघ के वार्षिक टर्न औवर में वृद्धि।	04 वर्ष
					Goal-2 1– नगरीय क्षेत्रों में तरल दूध की आपूर्ति	प्रसंस्करण क्षमता के विस्तारीकरण उपरान्त दुग्ध एवं दुग्ध पदार्थो की आपूर्ति में 10 प्रतिशत की वृद्धि की जायेगी।	150746 लीटर प्रतिदिन।	उपरोक्त ।	
5.	दुग्ध उत्पादकों को दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन	ग्राम स्तर पर दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हेतु दुग्ध उत्पादकों को उनके द्वारा दुग्ध समिति में उपलब्ध कराये जा रहे दूध के आधार पर प्रोत्साहन राशि प्रदान किया जाना।	1800.00	–	**Goal-1** 1. पोरर सदस्यों की संख्या में वृद्धि	50 हजार दुग्ध उतपादक सदस्यों को दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन राशि प्रदान की जायेगी।	48000	1. अधिक से अधिक दुग्ध उत्पादको को सहकारी समितियों से जोडना। 2. ग्राम स्तर पर पशुपालन हेतु प्रोत्साहित करना	03 वर्ष
					Goal-2 **1–**दुग्ध सहकारी समितियों की संख्या	518 दुग्ध समितियां गठित/पुर्न गठित कर कुल 3210 दुग्ध समितियों के माध्यम से दुग्ध उपार्जन में 10 प्रतिशत की वृद्धि प्राप्त की जायेगी।	2659 कार्यरत दुगध समितियों के माध्यम से 1,83,141 लीटर प्रतिदिन	उपरोक्त	04 वर्ष
6.	गंगा गाय महिला डेरी विकास योजना	ग्रामीण महिलाओं का आर्थिक एवं सामाजिक उन्नयन करना।	400.00	–	**Goal-1** 1–महिला लाभार्थियों हेतु रोजगार सृजन की संख्या 2–महिला दुग्ध उत्पादकों की औसत वार्षिक आय में वृद्धि।	दुग्ध सहकारी समितियों की 2000 महिला सदस्यों को उच्च नस्ल दुधारू गाय उपलब्ध कराते हुए रोजगार सृजन किया जायेगा। कुल महिला दुग्ध उत्पादकों की वार्षिक आय में लगभग रू0 950.00 लाख की वृद्धि की जायेगी।	1040	1. ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलम्बी बनाना। 2. दुग्ध समितियों के अन्तर्गत उपार्जन में वृद्धि करना।	03 वर्ष
					Goal-2	जनपदीय दुग्ध संघों में कुल 10 हजार लीटर प्रतिदिन अतिरिक्त दूध प्राप्त होगा।	–	उपरोक्त	
7.	दुग्ध संघ कार्मिकों हेतु स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना	रूग्ण दुग्ध संघों के कार्मिकों को स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति प्रदान कर सम्बन्धित दुग्ध संघों के आवृत्ति व्यय में कमी स्थायी कमी करना।	200.00	–	**Goal-1** दुग्ध संघ की आय में वृद्धि	रूग्ण दुग्ध संघों के 30 कार्मिकों को स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति प्रदान की जायेगी।	35	रूग्ण दुग्ध संघों के आवृत्ति व्यय में स्थायी कमी होने के कारण दुग्ध संघ लाभ की ओर अग्रसर होगें।	03 वर्ष
जिला योजना (चालू योजना)									
1.	ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध सहकारिताओं का सुदृढ़ीकरण	ग्राम स्तर पर दुग्ध सहकारी समितियां गठित कर स्वरोजगार के साधन सुलभ कराना।	–	–	**Goal-1**	दुग्ध उत्पादक सदस्यों के दुधारू पशुओं हेतु 55 हजार पशु औषधि, 45 हजार टीकाकरण, 18 हजार डिवर्मिग एवं 18 हजार मै0 टन सन्तुलित पशुआहार रियायती दरों पर उपलब्ध कराया जायेगा।	1.टीकारण–38347 2. डिवर्मिग–15383 3. पशुऔषधि– 51600	दुधारू पशुओं को संतुलित पशुआहार तथा पशु चिकित्सा सेवा उपलब्ध होने से पशु स्वास्थ्य में सुधार तथा दुग्ध उत्पादन एवं उपार्जन में वृद्धि होगी।	02 वर्ष
					Goal-2	दुग्ध उपार्जन में 10 प्रतिशत की वृद्धि प्राप्त की जायेगी।	1,83,141 लीटर प्रतिदिन	उपरोक्त	

केन्द्रपोषित योजना									
1..	राष्ट्रीय डेरी विकास योजना	दुग्ध सहकारी समितियों में अवस्थापना विकास।	300.00		**Goal-1** 1. दुग्ध संघों /दुग्ध समितियों में अवस्थपना विकास 2. दुग्ध समितियों में तकनीकी निवेश	1. 450 दुग्ध समितियों में डाटा प्रोसेसिंग मिल्क कलेक्शन यूनिट की स्थापना । 2.. पर्वतीय क्षेत्र की 350 दुग्ध समितियों में रेफ्रिजरेटेड मिल्क केन की स्थापना। 3. दूध की कोल्ड चैन बनाये रखने हेतु 12 रफ्रिजरेटेड/इन्सुलेटेड मिल्क वैन, 140 डीप फ्रिज तथा 450 विजी कूलर स्थापित किये जायेगें।	–	1. दुग्ध उत्पादको की आय में वृद्धि होगी। 2. दूध की गुणवत्ता में सुधार होगा। 3. दुग्ध संघ के लाभ में वृद्धि होगी।	03 वर्ष
					Goal-2	दुग्ध उपार्जन में 10 प्रतिशत तथा विक्रय में 15 प्रतिशत की वृद्धि प्राप्त होगी।	विक्रय 150746 लीटर प्रतिदिन तथा उपार्जन 1,83,141 लीटर प्रतिदिन	1. दुग्ध संघ के लाभ में वृद्धि होगी।	